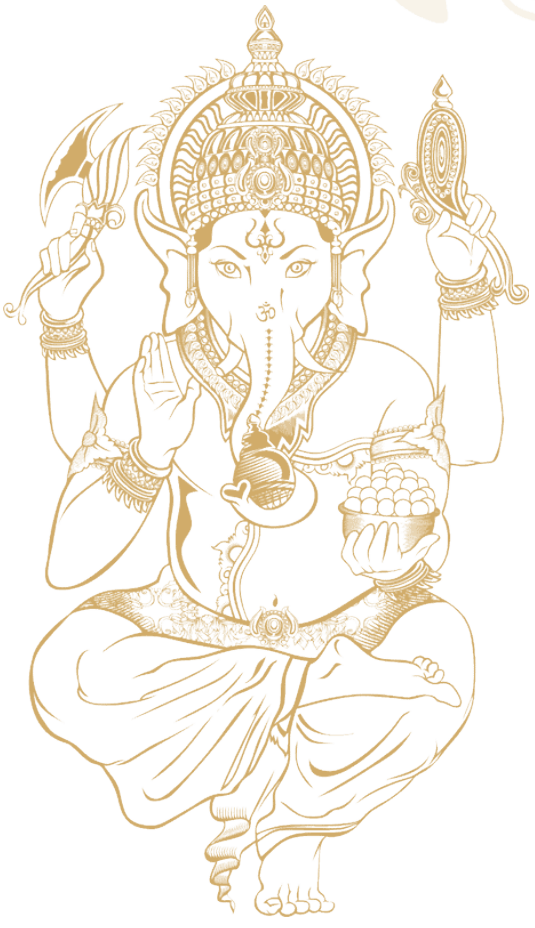

Nitya narain

Avishek kumar

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121799101

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121799101 Date: 03/04/2026

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
12/06/1996	जन्म तिथि	18/06/1997
बुधवार	दिन	बुधवार
घंटे 16:40:00	जन्म समय	09:45:00 घंटे
घटी 29:04:49	जन्म समय(घटी)	11:45:36 घटी
India	देश	India
Ranchi	स्थान	Ranchi
23:22:00 उत्तर	अक्षांश	23:22:00 उत्तर
85:20:00 पूर्व	रेखांश	85:20:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:11:20	स्थानिक संस्कार	00:11:20 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:02:04	सूर्योदय	05:02:45
18:35:04	सूर्यास्त	18:36:46
23:48:30	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:16

वृश्चिक	लग्न	सिंह
मंगल	लग्न लग्नाधिपति	सूर्य
मेष	राशि	तुला
मंगल	राशि-स्वामी	शुक्र
भरणी	नक्षत्र	विशाखा
शुक्र	नक्षत्र स्वामी	गुरु
2	चरण	3
अतिगण्ड	योग	सिद्ध
तैतिल	करण	कौलव
लू-लूनेश	जन्म नामाक्षर	ते-तेजिका
मिथुन	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन
क्षत्रिय	वर्ण	शूद्र
चतुष्पाद	वश्य	मानव
गज	योनि	व्याघ्र
मनुष्य	गण	राक्षस
मध्य	नाड़ी	अन्त्य
मृग	वर्ग	सर्प

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शुक्र 14वर्ष 9मा 8दि		03:31:48	वृश्चि	लग्न	सिंह	04:48:27	गुरु 4वर्ष 1मा 20दि	
चन्द्र		27:56:41	वृष	सूर्य	मिथु	03:09:17	बुध	
22/03/2017		16:49:05	मेष	चंद्र	तुला	29:52:59	08/08/2020	
22/03/2027		06:05:10	वृष	मंगल	कन्या	05:40:16	08/08/2037	
चन्द्र	20/01/2018	04:35:41	वृष	बुध	वृष	23:56:35	बुध	05/01/2023
मंगल	21/08/2018	21:37:05	धनु व	गुरु व	मक	28:00:48	केतु	02/01/2024
राहु	20/02/2020	25:07:20	वृष व	शुक्र	मिथु	23:16:35	शुक्र	02/11/2026
गुरु	21/06/2021	12:29:44	मीन	शनि	मीन	24:54:07	सूर्य	08/09/2027
शनि	20/01/2023	21:13:30	कन्या व	राहु व	कन्या	00:18:29	चन्द्र	07/02/2029
बुध	21/06/2024	21:13:30	मीन व	केतु व	मीन	00:18:29	मंगल	04/02/2030
केतु	20/01/2025	10:18:16	मक व	हर्ष व	मक	14:20:57	राहु	23/08/2032
शुक्र	20/09/2026	03:27:30	मक व	नेप व	मक	05:34:58	गुरु	29/11/2034
सूर्य	22/03/2027	07:22:23	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	09:46:50	शनि	08/08/2037

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:48:30 चित्रपक्षीय अयनांश 23:49:16

लग्न-चलित

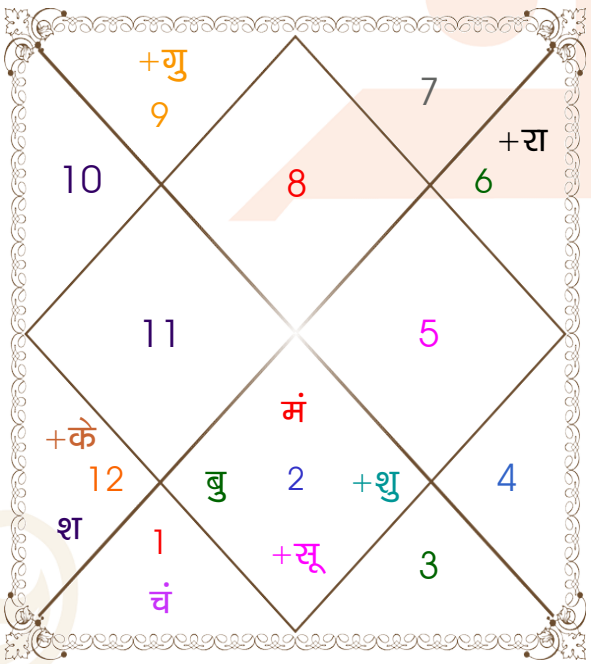

लग्न-चलित

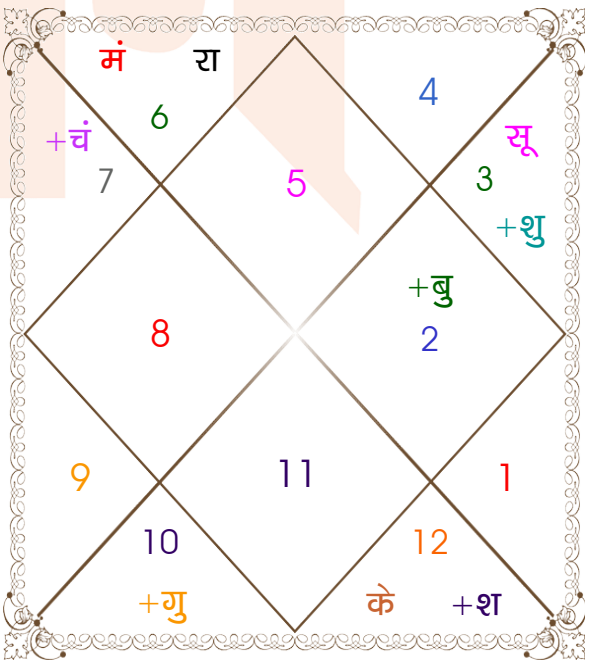

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गज	व्याघ्र	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	शुक्र	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	मेष	तुला	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	22.50		

कुल : **22.5 / 36**

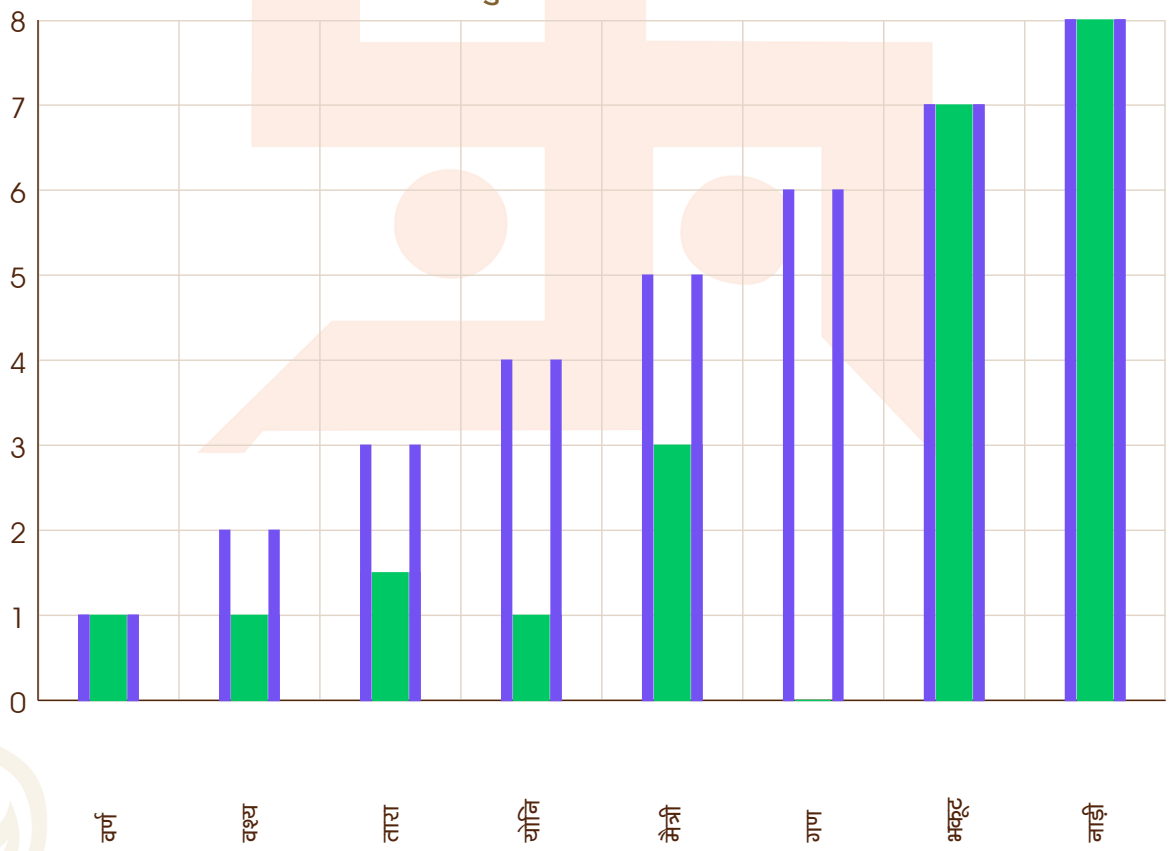

अष्टकूट मिलान

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

Nitya narain का वर्ग मृग है तथा ।अपेीमा ।नउंत का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Nitya narain और ।अपेीमा ।नउंत का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

Nitya narain मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

अजे लग्ने व्यये चापे पाताले वृश्चिके स्थिते।
वृषे जाये घटे रन्ध्रे भौम दोषो न विद्यते।।

अर्थात् मेष राशि लग्न में, द्वादश में धनुराशि, चतुर्थ में वृश्चिक राशि, सप्तम में वृष राशि तथा अष्टम में कुम्भ राशि में मंगल स्थित हो तो मंगल दोष नहीं होता है। क्योंकि मंगल Nitya narain कि कुण्डली में सप्तम् भाव में वृष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

।अपेीमा ।नउंत मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

Nitya narain तथा ।अपेीमा ।नउंत में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Nitya narain का वर्ण क्षत्रिय तथा ।अपेीमा ानउंत का वर्ण शूद्र है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके प्रभाव से ।अपेीमा ानउंत वैश्विक मां की भूमिका अदा करने वाली होगी तथा सभी की देखभाल तथा सेवा बिना थके, बिना शिकायत किये करती रहेगी। साथ ही परिवार के किसी भी सदस्य अथवा Nitya narain से कभी तर्क-वितर्क नहीं करेगी। अपने इसी आतिथ्य भाव के कारण सभी की प्रशंसा का पात्र बनेगी।

वश्य

Nitya narain का वश्य चतुष्पद अर्थात पशु है एवं ।अपेीमा ानउंत का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है अतः यह मिलान औसत मिलान होगा। यद्यपि कि पशु एवं मनुष्य के स्वभाव एक-दूसरे से सर्वथा भिन्न होते हैं अतः दोनों के स्वभाव, गुण, पसंद/नापसंद बिल्कुल अलग हो सकते हैं किंतु फिर भी दोनों एक-दूसरे के सान्निध्य में रहेंगे। फिर भी कभी-कभी मनुष्य निर्दयी एवं आक्रामक हो जाता है। इसी प्रकार Nitya narain एवं ।अपेीमा ानउंत एक-दूसरे के साथ रहकर अपने जीवन का आनंद लेते रहेंगे किंतु कभी-कभी ।अपेीमा ानउंत क्रूर एवं अमर्यादित व्यवहार का प्रदर्शन करती रहेगी।

तारा

Nitya narain की तारा प्रत्यरि तथा ।अपेीमा ानउंत की तारा साधक है। Nitya narain की तारा प्रत्यरि होने के कारण यह मिलान औसत मिलान ही है। विवाह के उपरांत Nitya narain कालांतर में बुरी आदतों, अधोपतन, चरित्रहीनता एवं नैतिक पतन का शिकार हो सकता है। उसके अवैध संबंध भी हो सकते हैं। परिणामस्वरूप ।अपेीमा ानउंत को काफी कष्टों का सामना करना पड़ सकता है। भविष्य में तनाव, निराशा, अवसाद एवं पीड़ा के कारण उसका झुकाव अध्यात्म की ओर हो सकता है।

योनि

Nitya narain की योनि गज है तथा ।अपेीमा ानउंत की योनि व्याघ्र है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं है। इन दोनों योनि के बीच सामान्य वैर है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान न होकर बुरा मिलान ही रहेगा। जिसके कारण दोनों की रुचि एवं पसंद नापसंद अलग-अलग ही होंगी। इनके वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन में अक्सर लड़ाई झगड़े हो सकते हैं। कभी- कभी लड़ाई झगड़ा घरेलू हिंसा का रूप भी ले सकता है। लड़ाई झगड़े के कारण पारिवारिक माहौल तनावपूर्ण एवं कलेशपूर्वक ही रहेगा। दोनों कभी कभी एक दूसरे पर हिंसक आक्रमण भी कर सकते हैं। दोनों के बीच झगड़े का कारण बुद्धिमत्ता एवं परस्पर समझदारी की कमी ही हो सकती है। यदि समझदारी और समझबूझ से काम न लिया गया तो कुछ समय अंतराल पर यह स्थिति मुकदमेबाजी तक भी पहुंच सकती है। इस प्रकार परस्पर प्रेम एवं सौहार्द्र की भावना का अभाव ही रहेगा। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी रह सकती है।

कभी-कभी धनहानि होने की भी संभावना होगी। अतः यदि दोनों परस्पर समझदारी एवं बुद्धि से काम लें तो स्थिति को सुधारा भी जा सकता है। परस्पर लड़ाई झगड़े और वैचारिक मतभेद रहने के कारण परिवार में सुख समृद्धि का अभाव ही देखने को मिलेगा। इस प्रकार वैवाहिक जीवन संघर्षपूर्ण व कलेशपूर्वक बीतने की संभावना है अतः सतर्कता बरतें।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Nitya narain एवं ।अर्पीमा ानउंत दोनों के राशि स्वामी परस्पर सम हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से औसत मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यह मिलान औसत माना जायेगा। इसके कारण जीवन एवं करियर में हमेशा उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों के बीच प्रेम एवं सहयोग का माहौल रहेगा किंतु यदा-कदा आपस में ये लड़ाई-झगड़ा भी कर सकते हैं। हालांकि ये जल्दी ही अपने झगड़े को भुलाकर समझौता भी कर लेंगे तथा जीवन पथ पर आगे बढते रहेंगे। सफलता पाने के लिए इनको अथक परिश्रम एवं उद्यम करना पड़ सकता है।

गण

Nitya narain का गण मनुष्य तथा ।अर्पीमा ानउंत का गण राक्षस है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। अतः ।अर्पीमा ानउंत का निर्दयी, निष्ठुर एवं कड़ा स्वभाव रहेगा जिसके कारण Nitya narain एवं उसके परिवार के सदस्यों का जीवन कष्टपूर्ण हो सकता है। साथ ही पति-पत्नी के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा बना रह सकता है। जिसके कारण तलाक एवं मुकदमे की संभावना भी बन सकती है।

भकूट

Nitya narain एवं ।अर्पीमा ानउंत की राशियां एक दूसरे से सम सप्तक (1/7) हैं। जिसके कारण इस मिलान को अति उत्तम मिलान माना जाता है। ज्योतिष की दृष्टि से यह मिलान अति शुभ है तथा Nitya narain व ।अर्पीमा ानउंत को शांति, सुख, सौभाग्य, समृद्धि, योग्य संतान एवं चतुर्दिक विकास के अवसरसमय-समय पर मिलते रहेंगे। साथ ही दोनों के बीच असीम प्यार बना रहेगा तथा दोनों हर कार्य में एक-दूसरे की मदद करते रहेंगे।

नाड़ी

Nitya narain की नाड़ी मध्य है तथा ।अर्पीमा ानउंत की नाड़ी अन्त्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। यह जीवन के लिए आवश्यक दो महत्वपूर्ण अवयवों का समन्वय है। अच्छे स्वास्थ्य, स्वस्थ काया एवं अच्छे यौन जीवन के लिए वात, पित्त एवं कफ का शरीर में संतुलन आवश्यक है। जिसके कारण Nitya narain एवं ।अर्पीमा ानउंत के बीच साहचर्य, सुख एवं समृद्धि की वृद्धि तथा उन्हें अच्छे, स्वस्थ एवं आज्ञाकारी संतान प्रदान होगी।

मेलापक फलित

स्वभाव

Nitya narain की जन्मराशि मेष तथा ।अपेीमा ।नउंत की जन्म राशि तुला है। इनमें मेष राशि अग्नितत्व एवं तुला राशि वायु तत्व से युक्त है चूकि इन दोनों की आपस में मित्रता है अतः इसके प्रभाव से Nitya narain और ।अपेीमा ।नउंत का जीवन कुछ अप्रिय क्षणों को छोड़कर समान्यतया सुख एवं प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत होगा।

Nitya narain और ।अपेीमा ।नउंत के राशि स्वामी मंगल तथा शुक्र एक दूसरे के सम हैं। अतः इनके परस्पर सम्बन्धों में समता ही रहेगी तथापि यदाकदा ।अपेीमा ।नउंत की प्रेमाभिलाषा की Nitya narain द्वारा उपेक्षा किए जाने पर अप्रिय स्थिति उत्पन्न होगी लेकिन इनका परस्पर स्वाभिमान का टकराव नहीं होगा। अतः ऐसी स्थिति शीघ्र समाप्त हो जाएगी तथा दाम्पत्य जीवन में सामंजस्य स्थापित करने में समर्थ होंगे।

Nitya narain और ।अपेीमा ।नउंत की राशियां परस्पर सप्तम-सप्तम पड़ती हैं। अतः यह युति भकूट दोष से मुक्त है। इसके प्रभाव से ।अपेीमा ।नउंत सुन्दरता एवं कोमलता की प्रतीक होंगी। उनकी प्रवृति आवेग युक्त भी रहेगी जिससे ।अपेीमा ।नउंत यदाकदा मानसिक अशान्ति एवं कष्ट की अनुभूति करेंगी। अतः ।अपेीमा ।नउंत को जाहिए कि अपनी इन प्रवृतियों का त्याग करके Nitya narain की भावनाओं का सम्मान करें तभी जीवन में शान्ति का आभास हो सकेगा।

Nitya narain का वश्य चतुष्पद तथा ।अपेीमा ।नउंत का वश्य मानव है। मानव एवं चतुष्पद की नैसर्गिक रूप से शत्रुता मानी जाती है। अतः दोनों की अभिरूचियों तथा भावनाओं में भिन्नता रहेगी जिससे एक दूसरे को सन्तुष्ट करने में असमर्थ रहेंगे यदि ।अपेीमा ।नउंत Nitya narain की श्रेष्ठता समझने की प्रवृति को समझ कर उनके साथ यथोचित व्यवहार करने तथा उनको इस क्षेत्र में उचित सहयोग दें तो इच्छित प्रसन्नता एवं समृद्धि प्राप्त हो सकती है।

धन

Nitya narain और ।अपेीमा ।नउंत दोनों की तारा परस्पर सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य गति से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों तत्पर रहेंगे। भकूट भी सम ही रहेगा जिससे उनके लाभमार्ग स्वबुद्धिमता एवं परिश्रम से प्रशस्त रहेंगे। मंगल का भी उनकी आर्थिक स्थिति पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार उनके अर्थिक स्तर पर कोई विशेष नाटकीय परिवर्तन की संभावना नहीं होगी परन्तु सामान्य जीवन धनऐश्वर्य से युक्त होकर व्यतीत होगा।

इसके साथ ही कोई विशेष या अचानक लाभ के योगों में भी न्यूनता होगी तथा आर्थिक स्तर अपने ही अनुकूल रहेगा जिससे वे आर्थिक रूप से सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

स्वास्थ्य

Nitya narain मध्य नाड़ी तथा ।अपेीमा ानउंत अन्त्य नाड़ी में उत्पन्न हुई है। अतः दोनों की नाड़ी अलग अलग होने के कारण इन पर नाड़ी दोष का प्रभाव नहीं होगा फलतः शारीरिक रूप से दोनों सामान्यतया स्वस्थ ही रहेंगे परन्तु ।अपेीमा ानउंत के स्वास्थ्य पर मंगल का अशुभ प्रभाव होगा जिससे वे रक्त या पित संबंधी परेशानी प्राप्त करेंगी तथा यदा कदा हृदय संबंधी कष्ट भी हो सकता है। साथ ही गुप्त रोग या मासिक धर्म संबंधी असुविधा भी समय समय पर होती रहेगी। ।अपेीमा ानउंत सुख के क्षणों में भी यदा कदा उदासीनता के भाव का प्रदर्शन करेंगी जिससे परस्पर संबंधों में तनाव का भाव विद्यमान होगा। अतः मंगल के अशुभ प्रभाव को कम करने के लिए ।अपेीमा ानउंत को नियमित रूप से हनुमानजी की पूजा करनी चाहिए तथा मंगलवार के उपवास भी सम्पन्न करने चाहिए।

संतान

संतति की दृष्टि से Nitya narain और ।अपेीमा ानउंत का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से Nitya narain और ।अपेीमा ानउंत को उचित समय पर संतति प्राप्ति होगी तथा इसमें किसी भी प्रकार से विलम्ब या व्यवधान नहीं होगा। साथ ही बच्चों के मध्य अंतर भी अनुकूल रहेगा जिससे उचित मात्रा में उनका पालन पोषण करने का अवसर प्राप्त होगा। इसके अतिरिक्त Nitya narain और ।अपेीमा ानउंत के पुत्र एवं कन्याओं की संख्या बराबर रहेगी।

।अपेीमा ानउंत का प्रसव सामान्य रूप से होगा तथा इसमें उन्हें किसी भी प्रकार से परेशानी या कष्ट का सामना नहीं करना पड़ेगा। साथ ही किसी प्रसूति संबधी चिकित्सा की भी आवश्यकता नहीं रहेगी। अतः ।अपेीमा ानउंत के मन में इसके प्रति जो अनावश्यक भय या चिन्ताएं रहती है उसको दूर कर देना चाहिए तथा नियमित रूप से गर्भावस्था में डाक्टरी परीक्षण करवाने चाहिए। इस प्रकार ।अपेीमा ानउंत सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी तथा स्वयं भी शांति तथा स्वस्थता की अनुभूति करेंगी।

बच्चों के द्वारा Nitya narain और ।अपेीमा ानउंत को पूर्ण सन्तुष्टि मिलेगी तथा अपनी योग्यता बुद्धिमता एवं व्यवहार कुशलता से वे अपने क्षेत्र में प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे यद्यपि माता पिता के वे आज्ञाकारी रहेंगे तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध कोई भी कार्य नहीं करेंगे तथापि माता के प्रति उनके मन में विशेष लगाव तथा सम्मान का भाव रहेगा तथा उनकी आज्ञा पालन करने में सर्वदा तत्पर रहेंगे। इस प्रकार Nitya narain और ।अपेीमा ानउंत का पारिवारिक जीवन सुख तथा शांति से पूर्ण रहेगा तथा प्रसन्नता पूर्वक वे अपना समय व्यतीत करेंगे।

ससुराल-सुश्री

।अपेीमा ानउंत के सास के साथ संबध विशेष अच्छे नहीं रहेंगे। साथ ही आयु में पर्याप्त अन्तर होने के कारण इन के मध्य अनावश्यक मतभेद रहेंगे। लेकिन यदि दोनों परस्पर सामंजस्य एवं बुद्धिमता से व्यवहार करेंगे तो संबधों में मधुरता की वृद्धि होगी तथा तनाव में न्यूनता आएगी।

ससुर से भी ।अपेीमा ।नउंत को इच्छित स्नेह तथा सहानुभूति अल्प मात्रा में ही प्राप्त होगी। अतः ।अपेीमा ।नउंत को चाहिए कि ससुर की सेवा, सुख सुविधा तथा आराम का पूर्ण ध्यान रखें। इससे उनसे स्नेह के भाव में वृद्धि हो सकती है। लेकिन देवर तथा ननदों के साथ ।अपेीमा ।नउंत के संबध अच्छे रहेंगे तथा परस्पर सार्थक सामंजस्य का भाव रहेगा तथा मित्रता पूर्ण व्यवहार करके उनसे स्नेह तथा सहानुभूति को प्राप्त करेंगी। इन संबधों से ।अपेीमा ।नउंत सास ससुर से भी इच्छित स्नेह की प्राप्ति करने में समर्थ हो सकती है इस प्रकार ससुराल में इनका जीवन सामान्यतया सुखी ही रहेगा।

ससुराल-श्री

Nitya narain तथा उनकी सास के संबधों में सामान्यतया मधुरता ही रहेगी। साथ ही आपस में किसी प्रकार के मतभेद या तनाव के भाव की न्यूनता रहेगी। वे अपनी सास के प्रति श्रद्धा तथा सम्मानजनक व्यवहार रखेंगे तथा उन्हें अपनी माता के समान ही आदर प्रदान करेंगे। साथ ही सपत्नीक वह समय समय पर ससुराल के लोगों से मिलने जाया करेंगे।

लेकिन ससुर के साथ में Nitya narain के संबध विशेष अच्छे नहीं रहेंगे तथा आयु में पर्याप्त अंतर के कारण दोनों के मध्य काफी वैचारिक विभिन्नता तथा अन्य मतभेद रहेंगे परन्तु यदि परस्पर सामंजस्य एवं बुद्धिमता का प्रदर्शन किया जाय तो इनमें न्यूनता आ सकती है। साथ ही साले एवं सालियों से Nitya narain के संबध अच्छे रहेंगे तथा उनसे इच्छित सहयोग, स्नेह तथा सहानुभूति प्राप्त होगी एवं परस्पर मित्रता का भाव रहेगा। इस प्रकार ससुराल के पक्ष का दृष्टिकोण Nitya narain के प्रति उत्साहवर्द्धक नहीं रहेगा तथा सामंजस्य से ही इसमें अनुकूलता वनी रहेगी।